वोट जीतने के लिए
अमेरिका भर में दो मताधिकारवादी,
एक बिल्ली का बच्चा,
और 10,000 मील का सफर



मारा रॉकलिफ़

चित्र: हेडली हूपर

प्रिय पाठक,



क्या आपने कभी किसी मताधिकारवादी (सुफरागिस्ट) के बारे में सुना है? शायद नहीं और इसीलिए मुझे बहुत खुशी है कि आप यह पुस्तक पढ़ रहे हैं. आप मताधिकारवादियों के बारे में काफी कुछ सीखेंगे और जानेंगे कि वे अमेरिकी इतिहास में इतने महत्वपूर्ण क्यों थीं.

आप देख सकते हैं कि मताधिकार का मतलब वोट देने का अधिकार होता है, और एक सौ साल पहले संयुक्त राज्य अमेरिका में हर किसी के पास यह अधिकार नहीं था. अधिकांश स्थानों पर पुरुष तो मतदान कर सकते थे लेकिन महिलाएँ नहीं. यह कितना अनुचित था? इसलिए लगभग 50 लाख लोग (जो खुद को मताधिकारवादी कहते थे) एकजुट हुए और उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए काम किया कि महिलाओं को सिर्फ इसलिए वोट देने से नहीं रोका जा सकता था क्योंकि वे महिला थीं. और 1920 में वे सफल हुए.

इस पुस्तक में आप सैक्सन नाम की एक बिल्ली और नेल और ऐलिस नाम के दो मताधिकारियों के बारे में जानेंगे. नेल और एलिस ने सैक्सन के साथ देश भर में यात्रा की. 1916 में एक पीली कार में (क्योंकि पीला रंग मताधिकारवादियों का अपना रंग था) और वे जिस किसी से भी मिले, उन्होंने उनसे महिलाओं के मताधिकार के बारे में बातचीत की. यह एक लंबी यात्रा थी लेकिन वो वाकई में करने लायक थी. आज नेल और ऐलिस जैसे साहसी लोगों के कारण, संयुक्त राज्य अमेरिका में महिलाएं मतदान कर सकती हैं, वे किसी भी पद के लिए इलेक्शन लड़ सकती हैं (मेरी तरह!) और वे जो कुछ भी बनना चाहें वे बन सकती हैं!

मुझे आशा है कि आप नेल और ऐलिस की तरह साहसी बनेंगे. मुझे आशा है कि आप ज़रूर साहसी बनेंगे. और किसी भी चीज़ से अधिक मुझे आशा है कि आप आप जैसे बने रहेंगे.

सीनेटर बारबरा मिकुलस्की (सेवानिवृत्त)

यूनाइटेड स्टेट्स कांग्रेस में सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाली महिला

वोट जीतने के लिए
अमेरिका भर में दो मताधिकारवादी, एक बिल्ली का बच्चा, और 10,000 मील का सफर

मारा रॉकलिफ़, चित्र: हेडली हूपर

6 अप्रैल 1916 को, एक छोटी पीली कार न्यूयॉर्क शहर से निकली. इसमें कई उपकरण थे.

कार के स्पेयर पार्ट्स,

एक नन्हा-सा टाइपराइटर, एक छोटी-सी सिलाई मशीन,

उपयोगी चीज़ों से भरा एक मोटा चमड़े का ट्रंक, और दो मुस्कुराती हुई महिलाएँ.

और साथ में एक छोटा सा काला बिल्ली का बच्चा जिसके गले में पीला रिबन बंधा हुआ था.

उनमें से लम्बी महिला नेल रिचर्डसन थी. छोटी, ऐलिस बर्क थी. उन्होंने साथ मिलकर अमेरिका की यात्रा करने की योजना बनाई. वैसे अमेरिका एक बहुत बड़ा देश था, लेकिन उनका उद्देश्य भी बहुत बड़ा था.



"महिलाओं के लिए मत!" ऐलिस ने संवाददाताओं से कहा.

"महिलाओं के लिए वोट!" नेल सहमत हुईं.

उन्होंने कहा कि टाइपराइटर और सिलाई मशीन भी उनकी योजना का हिस्सा थे.



अगर कोई कहता कि महिलाओं के पास वोट देने के लिए दिमाग नहीं था, तो नेल तुरंत यह साबित करने के लिए एक कविता लिख देती थी कि उनके पास वोट देने के लिए पर्याप्त दिमाग था.

यदि कोई कहता कि उन्हें खाना बनाना और सिलाई करनी चाहिए थी और उन्हें देश का संचालन पुरुषों पर छोड़ देना चाहिए. तब नेल एक एप्रन को हवा में उछालती थी जबकि ऐलिस ने यह साबित करने के लिए भाषण देती थी कि वे दोनों काम कर सकती थीं.



और क्या वे दोनों अपनी छोटी सी पीली कार में, एक-दूसरे (और एक बिल्ली के बच्चे) के साथ अकेले ही, दस हजार ऊबड़-खाबड़, कीचड़ भरे, अज्ञात मीलों तक खतरे और रोमांच का सामना करते हुए संयुक्त राज्य अमेरिका का चक्कर लगा सकती थीं?

खैर, इससे साबित होता कि महिलाएं कुछ भी कर सकती थीं.

फिर वे चल पड़ीं.

पहले ही दिन उन्हें एक साहसिक रोमांच से गुज़ारना पड़ा जब एक संकरी सड़क पर एक बग्घी खींच रहे घोड़े ने उन्हें आगे जाने देने से रोक दिया.



नेल ने घोड़े के कान के पीछे महिलाओं के वोट वाला पीला डैफोडिल (फूल) बांधा.

फिर घोड़ा एक तरफ हट गया और उसने छोटी पीली कार को आगे जाने दिया.



फ़िलाडेल्फ़िया में, वे शहर की बड़ी भीड़ से बात करने के लिए अपनी सीटों पर खड़ी हुईं.

पुरुषों और महिलाओं ने खुशी मनाई.

लेकिन अगली सुबह. . .



एक बर्फ़ीला तूफ़ान आया!

नेल और ऐलिस तेज़ हवा और घूमती बर्फ़ के बीच बाल्टीमोर तक ड्राइव करके गईं

जहां वे एक बहुत
ही फैंसी पार्टी में
सम्मानित अतिथि
बनने के लिए
एकदम समय
पर पहुंचीं.

अगले दिन जब वे गैस (पेट्रोल) के लिए रुकीं, तो पुरुषों की भीड़ ने उनकी छोटी पीली कार को चारों ओर से घेर लिया.

ऐलिस अपना भाषण देने के लिए सीट पर चढ़ गई.

लेकिन किसी ने उसकी बात नहीं सुनी.

इसलिए ऐलिस ने पुरुषों को अपनी कार के बारे में सबकुछ बताया.



"महिलाओं के लिए मत!" पुरुषों ने कहा, और नेल और ऐलिस के चले जाने पर उन्होंने हाथ हिलाया.

वाशिंगटन, डी.सी. की त्वरित यात्रा के बाद, वे अब तक की सबसे ऊबड़-खाबड़ और कीचड़ भरी सड़क पर पहुंचीं.

छोटी सी पीली कार टकराती-घिसटती रही और अंततः बर्फ में जाकर फंस गई.



वे भीगे हुए और कांपती हुई एक-दूसरे से लिपटी रहीं, जब तक कि सूरज नहीं निकला और फिर दो मजबूत खच्चरों ने उनकी कार को कीचड़ से बाहर निकाला.



और वो खच्चर लगभग एक गड्ढे में गिर गया जहाँ कभी एक पुल हुआ करता था.



आगे पानी से भरे और कई गहरे गड्ढे आये.



चिपचिपी मिट्टी,



और मोटी, गीली रेत.

दक्षिण कैरोलिना में, एक पूरा शहर उनके सम्मान में उमड़ा और उन्होंने उन्हें पीले रंग का दोपहर का भोजन खिलाया.

जॉर्जिया में, वे दोनों एक सर्कस परेड में शामिल हुईं.





हर जगह उन्हें भीड़ मिली.

हर जगह, नेल और ऐलिस ने उनसे कहा:
"वी. फॉर डब्लू. यानि महिलाओं को वोट दो!"

गल्फपोर्ट, मिसिसिपी के बाहर, छोटी पीली कार को अंततः एक कीचड़ भरा गड्ढा मिला जिसे वह पार नहीं कर पाई.

तब उन्होंने बिल्ली के बच्चे को चुपचाप एक ट्रेन में चढ़ा दिया. . .

और फिर बिल्ली को न्यू-ऑरलियन्स के एक बढ़िया होटल में तस्करी करके लाया गया.



तभी छोटी कार आई, और वे फिर से अपने रास्ते पर आगे बढ़ीं.

वे न्यू मैक्सिको के रेगिस्तान
से होते हुए आगे बढ़ीं. . .





फिर एरिज़ोना में कई दिनों
तक खो गईं . . .

आख़िरकार, वे पहुंचीं . . .



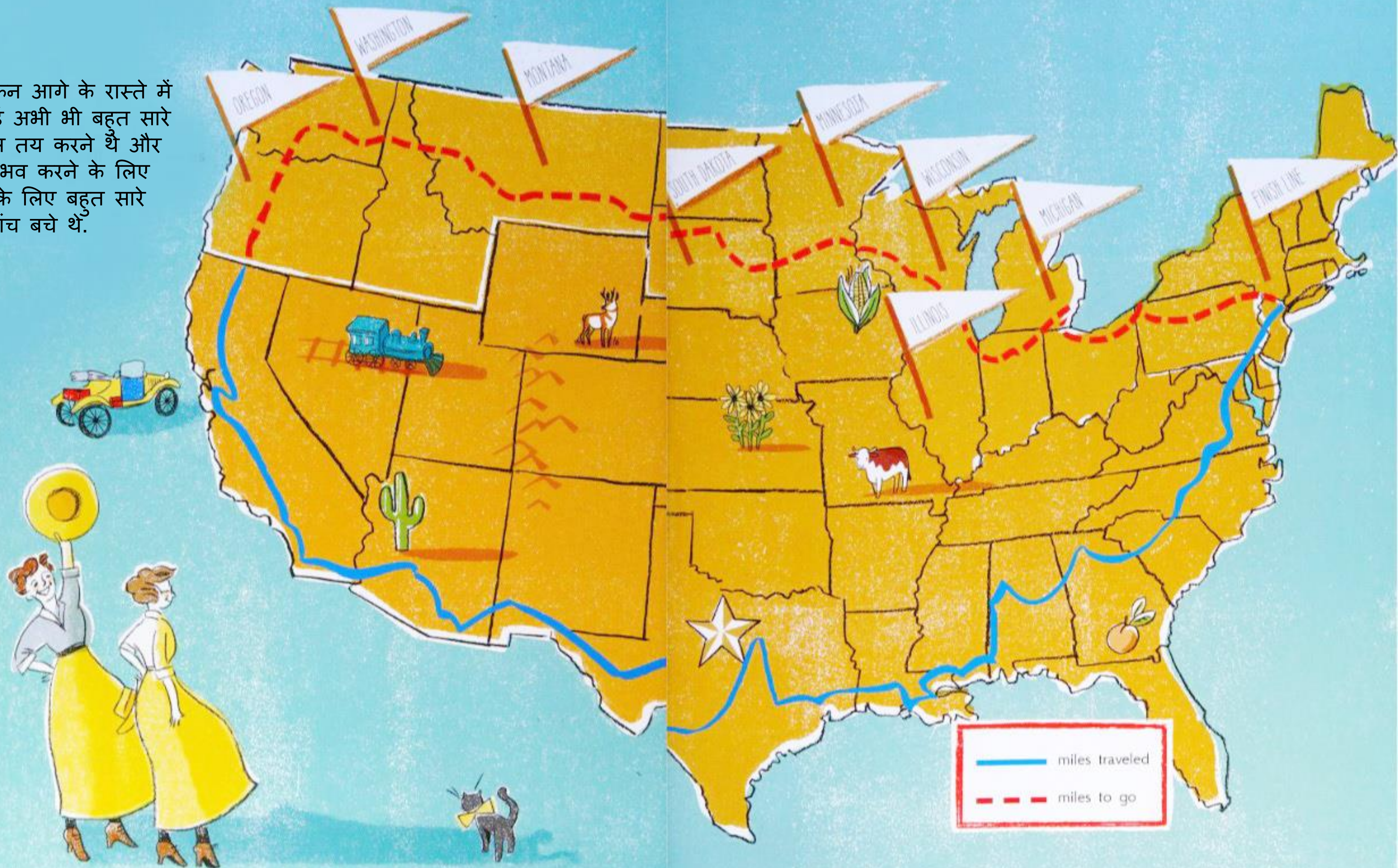
वे रियो ग्रांडे की गोलियों से बचीं. .

कैलिफ़ोर्निया!

जहां उन्होंने पूरे अमेरिका में ड्राइविंग के लिए एक पदक जीता.



लेकिन आगे के रास्ते में उन्हें अभी भी बहुत सारे मील तय करने थे और अनुभव करने के लिए उनके लिए बहुत सारे रोमांच बचे थे.



30 सितंबर 1916 को, एक छोटी सी पीली कार न्यूयॉर्क शहर में घुसी.

उसमें पूरे अमेरिका से मिट्टी और धूल, हस्ताक्षर और स्मृति चिन्ह, दो मुस्कुराती (और धूप से झुलसी हुई) महिलाएँ, और एक पूर्ण विकसित बिल्ली बैठी थी. वहां उनका भव्य स्वागत हुआ. . .



उन्हे स्वागत में एक बड़ा
पीला केक काटा गया.

दस हज़ार ऊबड़-खाबड़, कीचड़युक्त, मीलों के बाद
नेल ने कुछ समय के लिए आराम करने की सोची.



और ऐलिस?

वह मुड़ी और उसने देश को दुबारा फिर से पार किया.

लेकिन इस बार उसने ट्रेन पकड़ी.



वह नई मशीन!

1900 की शुरुआत में केवल बहुत साहसी लोग ही पूरे अमेरिका में गाड़ी चलाने की कोशिश करते थे. सफल होने वाले पहले व्यक्ति एच. नेल्सन जैक्सन नामक, वर्मोंट के एक डॉक्टर थे, जो 1903 में कैलिफ़ोर्निया से न्यूयॉर्क गए थे. छह साल बाद, न्यू-जर्सी की एलिस रैमसे क्रॉस-कंट्री यात्रा पूरी करने वाली पहली महिला बनीं. उनमें से किसी ने भी 1916 में ऐलिस बर्क और नेल रिचर्डसन की तुलना में, आधी भी यात्रा पूरी नहीं की. इन दोनों महिलाओं ने पूरे दिन गाड़ी चलाई और हर रात सार्वजनिक भाषण दिए.

1916 तक, ऑटोमोबाइल काफी लोकप्रिय हो गईं थीं, लेकिन ड्राइविंग अभी भी एक चुनौती थी. पेट्रोल स्टेशन तब तक आम नहीं थे, इसलिए नेल और ऐलिस को गाड़ी का टैंक भरने के लिए गाँव की दुकानों और खेतों में रुकना पड़ता था. रोड मैप के बजाय, उन्हें "ब्लू-बुक" पर निर्भर करना पड़ा जिसमें "पीले खलिहान से दाएँ मुड़ें" जैसे निर्देश लिखे होते थे, यदि खलिहान गिर गया हो या उसे फिर से लाल रंग से पेन्ट कर दिया गया हो तो फिर वो निर्देश निरर्थक हो जाता था!

नेल और ऐलिस ने सैक्सन मोटर कार कंपनी द्वारा बनाई गई एक छोटी सी 'रनअबाउट' कार चलाई. उन्होंने इसे "गोल्डन फ़्लायर" बुलाया. उनके न्यूयॉर्क छोड़ने से पहले, मताधिकार नेता कैरी चैपमैन कैट द्वारा पेट्रोल से भरी शैंपेन की बोतल का उपयोग करके उसे आधिकारिक तौर पर यह नाम दिया गया था. अख़बारों ने बताया कि कैट ने बोतल को इतनी ज़ोर से नीचे मारा कि उससे रेडिएटर पर एक गड्ढा (डेन्ट) बन गया.

ऐलिस ने कार को अपना "येलो बेबी" कहा और इस बात की डींगें भी मारी कि वह गाड़ी कितनी अच्छी तरह चली. "छोटी बेबी मोटर कार हमारे लिए सच्ची और अच्छी रही," उन्होंने लिखा. "जब वह कीचड़ में फंस जाती है तो हम उसे दोष नहीं दे सकते." उन्होंने बिल्ली के बच्चे का नाम भी सैक्सन ही रखा. बदले में, सैक्सन कंपनी ने एक विज्ञापन में नेल और ऐलिस का खूब इस्तेमाल किया. कई विज्ञापनों की तरह उस विज्ञापन ने भी सच्चाई को खूब खींचा, यह दावा करते हुए कि दोनों यात्री आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान तक चले गए और "एक बार भी देर नहीं हुई."

"कल हम धीरे-धीरे एक सफेद खच्चर की ओर बढ़े जो एक लंबा वैगन खींच रहा था, और वह बिल्कुल शांत लग रहा था, तभी अचानक वह अपने दाहिने ओर मुड़ गया और उसने पांच फुट के तटबंध पर बेतहाशा छलांग लगा दी. एक क्षण के लिए हमें बूढ़े सफेद खच्चर के दर्शन हुए, जिसके कान खुले हुए थे, उसकी पूँछ सीधी पीछे की ओर उड़ रही थी और हवा में एक लंबी, पतली बग्घी थी. . . . फिर खच्चर, वैगन और ड्राइवर दाहिनी ओर ऊपर की ओर ज़मीन से टकराए. और किंग्स इंग्लिश को छोड़कर कोई नुकसान नहीं हुआ, उसे थोड़ा नुकसान हुआ जब ड्राइवर ने खच्चर को बताया कि वह उसके बारे में क्या सोचता था."

ऐलिस एस बर्क. "गोल्डन फ़्लायर की डायरी" बोस्टन ग्लोब, अप्रैल 22, 1916

वोट जीतना

ऐलिस और नेल की यात्रा हमें लंबी और कठिन लग सकती है, लेकिन अमेरिकी महिलाओं द्वारा वोट जीतने के लिए की गई लंबी और कठिन यात्रा की तुलना में यह यात्रा तेज़ और आसान थी.

1776 में भावी प्रथम महिला अबीगैल एडम्स ने अपने क्रांतिकारी पति को पत्र लिखा. जॉन ने उनसे आग्रह किया कि "महिलाओं को याद रखें." उन्होंने स्वतंत्रता की घोषणा पर हस्ताक्षर किए, जिसमें कहा गया था कि "सभी पुरुषों को समान बनाया गया है."

1848 में, एलिज़ाबेथ कैडी स्टैंटन और ल्यूक्रेटिया मॉट सहित महिलाओं के एक समूह ने सेनेका फॉल्स, न्यूयॉर्क में एक बैठक की. वहां उन्होंने अपने स्वयं के घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए, जिसमें कहा गया था कि "सभी पुरुषों और महिलाओं को समान बनाया गया है." लेकिन महिलाओं को कानून के तहत समान बनाने के लिए, उन्हें पता था कि उन्हें वोट देने का अधिकार जीतना होगा.

अबीगैल एडम्स को महिलाओं के अधिकारों के लिए आवाज उठाते हुए बहत्तर साल बीत चुके थे. अपने लक्ष्य तक पहुँचने में उस बात को बहत्तर वर्ष और लगे.

जिन महिलाओं और कुछ पुरुषों ने यह लड़ाई लड़ी, उन्हें मताधिकारवादी कहा गया. (मताधिकार का अर्थ है वोट देने का हक) उनमें मॉट और स्टैंटन के साथ-साथ उसमें लुसी स्टोन जैसे नेता भी शामिल थे. सुसान बी. एंथोनी, सोजॉर्नर ट्रुथ, ऐलिस पॉल, और इडा बी. वेल्स ने उनका नेतृत्व किया. उनमें नेल रिचर्डसन और ऐलिस बर्क जैसे हजारों कम-ज्ञात नायक भी शामिल थे.

इन महिलाओं ने सड़कों पर मार्च करने और भाषण देने के लिए पतियों और पिताओं की अवहेलना की. (छह महीने तक हर रात ऐलिस ने, न्यूयॉर्क शहर में ब्रॉडवे और 96वीं स्ट्रीट के कोने पर साबुन की एक लकड़ी की पेटी पर खड़े होकर राहगीरों से सवाल पूछे और उन्हें परेशान किया.)

जैसे-जैसे साल बीतते गए, मताधिकारवादी रचनात्मक होते गए. उन्होंने गीत लिखे. उन्होंने कार्टून बनाए. एक पायलट मताधिकारवादी ने एक विमान से पर्चों के साथ मेले की भीड़ पर "बमबारी" की. कोयला खनिकों तक पहुंचने की उम्मीद में एक अन्य ने चौग़ा पहना और फिर वो जमीन से 2,500 फीट नीचे चली गई. मतअधिकारवादियों ने स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी पर चढ़कर भी भाषण दिए. बेशक, उनके मुंह से जो शब्द निकले, वे थे "महिलाओं को वोट दो."

वर्ष 1916 एक रोमांचक वर्ष था. ग्यारह पश्चिमी राज्यों में से एक मोंटाना की जेनेट रैंकिन को महिलाओं को वोट मिला और वो कांग्रेस के लिए चुनी गई पहली महिला सेनटर बनीं. यह संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के लिए भी एक चुनावी वर्ष था, और मताधिकारवादियों ने महिलाओं को वोट देने के लिए दोनों पक्षों को मनाने के लिए बड़े प्रदर्शनों की योजना बनाई. शिकागो में रिपब्लिकन सम्मेलन में, हजारों महिलाओं और लड़कियों ने रबर के कंबल में लिपटे एक हाथी के बच्चे के पीछे बर्फ़ीली बारिश में मार्च किया, जिस पर लिखा था, "महिलाओं के लिए वोट." अगले सप्ताह, सेंट लुइस में, उन्होंने "वॉकलेस परेड" आयोजित की. डेमोक्रेटिक सम्मेलन में जाने वाले पुरुषों को एक मील तक दोनों तरफ सड़कों पर खड़े आठ हजार मूक महिला मताधिकारियों के बीच से गुजरना पड़ा.

ये प्रदर्शनकारी पूरे देश से आए थे. कई लोगों ने नेल और ऐलिस की योजनाओं के बारे में सुना होगा, जिन्होंने प्रचार-प्रसार के लिए अपनी क्रॉस-कंट्री यात्रा का उपयोग किया. सम्मेलनों के समय भी यह जोड़ी अभी-अभी कैलिफ़ोर्निया आई थी. लेकिन वे ज्यादा रुके नहीं. वे जानते थे कि उनका काम अभी पूरा नहीं हुआ है.

अगले वर्ष, संयुक्त राज्य अमेरिका ने प्रथम विश्व युद्ध में प्रवेश किया. कई मताधिकारियों ने युद्ध के प्रयासों में मदद करने के लिए अपने स्वयं के लक्ष्यों को अलग रखा. ऐलिस पॉल के नेतृत्व में अन्य लोगों ने लड़ाई जारी रखी. उन्होंने व्हाइट हाउस पर धरना दिया और राष्ट्रपति वुड्रो विल्सन से पूछा कि विदेशों का लोकतंत्र, घरेलू लोकतंत्र से क्यों अधिक महत्वपूर्ण था. भीड़ ने शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर हमला किया जबकि पुलिस मूक खड़ी देखती रही. फिर पुलिस ने उन मताधिकारियों को गिरफ्तार करना शुरू किया, जिन्होंने कोई कानून नहीं तोड़ा था. जेल में महिलाओं के साथ बहुत बुरा व्यवहार किया गया लेकिन उन्होंने इतनी बहादुरी से उनका विरोध किया कि उससे जनता की राय बदल गई. अमेरिकियों ने तब महिलाओं के वोट की मांग की.

1920 में उन्नीसवां संशोधन आधिकारिक तौर पर अमेरिकी संविधान में जोड़ा गया. इसमें कहा गया है, "संयुक्त राज्य अमेरिका के नागरिकों के वोट देने के अधिकार को संयुक्त राज्य अमेरिका या किसी भी राज्य द्वारा सेक्स के कारण अस्वीकार नहीं किया जाएगा."

आख़िरकार, अमेरिकी महिलाओं को वोट देने का अधिकार मिल गया.